THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) The composition of the Regional Advisory Committee, as approved by the Board of Governors of Kendriya Vidyalaya Sangathan is enclosed. (*See* below) There is no representative teachers' associations on the Committee.

Statement

Composition of Regional Advisory Committee

1. Chairman
   (Education Secretary)
2. Member
   (A Senior representative of the Defence establishments in which Kendriya Vidyalayas are located at the Regional Headquarters)
3. Member
   (Chairman of the Central Govt. Employees Welfare Co-ordination Committee at the station)
4. Member
   (Senior representative of the Project Kendriya Vidyalayas in the region)
5. Member
6. Member
   (Two eminent educationists, at least one of whom will be a lady)
7. Member
   (A Principal of a nearby renowned school)
8. Member
   (A representative of the CPWD/MES not below the rank of Chief or Superintending Engineer)
9. Member
   (An eminent Doctor from a Govt. or Public Sector (Hospital)
10. Member
    (DM/Dy. Commissioner)
11. Member
    (A Principal of a local Kendriya Vidyalaya)
12. Member-Secretary
    (Assistant Commissioner)

भवन रहित प्राथमिक विद्यालय

2360. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर किये गये एक शैक्षणिक सर्वेक्षण की ओर दिलाया गया है जिसमें यह बताया गया है कि देश में 13.5 प्रतिशत प्राथमिक विद्यालय बिना भवनों के चलाये जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने राज्य सरकारों से ऐसी योजनाएं चलाने का अनुरोध किया है जिनकी सहायता से निकट भविष्य में इन स्कूलों के लिये कच्चे अथवा पक्के भवनों के निर्माण को प्रोत्साहन दिया जा सके ;

(ग) क्या सरकार उक्त योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये कोई विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) आपरेशन ब्लैकबोर्ड की योजना के अंतर्गत, जिसे प्राइमरी स्कूलों में न्यूनतम स्तर की सुविधाओं को एक चरणबद्ध तरीके से प्रदान करने के लिए वर्ष 1987–88 से, प्रारम्भ किया गया है, सभी प्राइमरी स्कूलों को कम-से-कम दो उचित रूप से बड़े कमरों का सभी मौसम वाला भवन और लड़के तथा लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय सम्बंधी सुविधाओं सहित एक गहरा बरामदा प्रदान किया जाना है। इन भवनों को उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निधियां विभिन्न स्रोतों, मुख्यतः एन०आर०ई०पी०/आर०एल० ई० जी० पी० तथा वित्त आयोग पंचाटों से वहन की जा रही हैं।

सियोल ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों के दल के प्रदर्शन से सम्बन्धित प्रतिवेदन

2361. **श्री राम जेठमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि के०पी० सिंह देव ने 1988 में सियोल में हुए ओलम्पिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा किये गये खराब प्रदर्शन के संबंध में, हाल में, कोई प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है;

(ख) यदि हां, तो उपर्युक्त प्रतिवदन में ऐसे कौन-कौन से मुख्य कारण बताए गये हैं जिनकी वजह से भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन खराब रहा;

(ग) क्या सरकार ने उपर्युक्त प्रतिवेदन के आधार पर खेल के मामलों में स्थिति सुधारने और खेलों के विकास के लिये कार्यक्रम आयोजित करने की कोई योजना बनाई है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा कार्य और खेल तथा महिला और बाल विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) से (घ) भारतीय दल के चैफ-डी-मिशन श्री के० पी० सिंह देव, जिसने चौबीसवें ओलम्पिक खेलों में भाग लिया था, ने भारतीय ओलम्पिक संघ को अपनी रिपोर्ट दे दी हैं। उपरोक्त रिपोर्ट की प्रति सरकार को 10 मार्च, 1989 को ही प्राप्त हुई है और उसका अध्ययन किया जा रहा है। देश में, हमारे स्तर में सुधार लाने तथा खेलों को बढ़ावा देने के लक्ष्य से केन्द्रीय सरकार और भारतीय खेल प्राधिकरण ने खेल अवस्थापना का सृजन करने, आरंभिक स्तर पर खेल प्रतिभाशालियों का पता लगाने तथा उनका पोषण करने, विदेशों में भारतीय प्रशिक्षकों तथा खेल वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण देने तथा हमारे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने तथा उनके विकास के लिए, जहां आवश्यक हो, विदेशी प्रशिक्षकों और विशेषज्ञो की सेवाएं प्राप्त करने के लिए विभिन्न योजनाए शुरू की हैं। बीजिंग एशियाई खेलों के लिए 12 प्राथमिकता प्राप्त खेलों का पता लगाया गया है। खेल संघों के परामर्श से सक्षम खिलाड़ियों का भी पता लगाया गया है और प्रशिक्षण शिविरों में भारतीय और विदेशी, प्रशिक्षकों और खेल विज्ञान विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण में उन्हे गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की नियमितरूप से देख-रेख की जा रही है और उन्हें नियमित अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगी प्रदर्शन के साथ-साथ सभी सम्भव खेल उपस्कर, पोषक आहार और उच्च कोटी की प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान की जा रही है।